नोट्स

B.A. Part-III (Hons)
Subject — Geography
Paper — VI (Human Geography)

Unit — I

मानसून एशियाँ क्षेत्रों में जलवायु के प्रभाव (वातावरण) मानव के क्रिया कलापों पर प्रभाव का विवेचना करें?

विश्व के क्षेत्रफल की केवल 15% भूमि मानसून देशों में पायी जाती है, जबकि यहाँ विश्व की आधे से अधिक (50%) जनसंख्या स्थित है। स्पष्ट है कि यहाँ के देशों में जनसंख्या बहुत अधिक है। जनसंख्या का जमघट मानसून एशिया के कुछ देशों में इतना अधिक पाया जाता है कि उसका मुकाबला योरोप महाद्वीप के देश भी नहीं कर पाते, परन्तु मानसून एशिया के देशों में जनसंख्या के वितरण में विषमता बहुत अधिक मिलती है जहाँ जनसंख्या का जमघट है उसके निकट ही ऐसे क्षेत्र मिलते हैं, जहाँ जनसंख्या विरल पायी जाती है उदाहरण के लिए गंगा यमुना मैदान में जनसंख्या अधिक है तो राजस्थान व मध्य प्रदेश में जनसंख्या विरल है। इण्डोनेशिया के द्वीपों में अत्यधिक जनसंख्या जावा में मिलता है, जबकि कालीमन्टन (बोर्नियो) और सुमात्रा में जनसंख्या घनत्व कम है। उत्तरी चीन के विशाल मैदान में जनसंख्या अधिक है, दूसरी तरफ पश्चिमी व उत्तरी पश्चिमी चीन में जनसंख्या बहुत कम है।

मानसून एशिया में ~~जनसंख्या~~ मानव क्रिया कलापों को प्रभावित करने वाले वातावरण (जलवायु) कारक निम्न हैं: जिसके उपजाऊ की भिन्नता, मिट्टियों का उपजाऊ होना, सिंचाई के लिए नदियों की उपस्थिति, वर्षा के वितरण में विषमता, महासागरों से दूरी, खनिज के वितरण का प्रभाव, औद्योगिक विकास का स्तर तथा जीवन-निर्वाह के लिए आवश्यक संसाधनों के वितरण में अन्तर इस सम्बन्ध में उल्लेखनीय है।

मानसून एशियाँ क्षेत्रों की जलवायु से वहाँ के सम्पूर्ण भौगोलिक क्रिया-कलाप, परिवेश तथा लोग प्रभावित होते हैं। मानसून एशिया क्षेत्र की जलवायु का प्रभाव इतना अधिक है कि उस क्षेत्र के लोगों को विश्व के मानव से प्रकृति: अलग थलग कर देती है।

मानव एवं वातावरण में अन्योन्याश्रय सम्बंध है। वातावरण वह घेरा है जो मानव को चारों ओर से घेरे हुए है और उसके जीवन एवं क्रिया कलापों को प्रभावित करता है इस घेरे के अन्दर मानव के वे सभी क्रियाएँ आती हैं जो मानव जीवन विकास को प्रभावित करती हैं।

__जर्मन वैज्ञानिक__ :— ने अपने एक निबंध में मानव जीवन के वातावरण के गहरे तथा व्यापक प्रभाव का समर्थन किया है। वातावरण का अर्थ जीवन के पारिस्थितिक कारकों का कुल योग बताया गया है।

__तांसले__ :— ने "मानव जीवन को प्रभावित करने वाली सभी दशाओं को जिसमें जीव निवास करती है, वातावरण कहा जाता है।

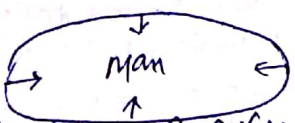

Environment

मानसून एशिया में विश्व की 60% जनसंख्या निवास करती है; यहाँ जनसंख्या का वितरण एक समान नहीं है, जिसके निम्न कारण हैं:—

जलवायु की अनुकूल दशाओं का प्रभाव मनुष्य की कार्य क्षमता पर विशेष पड़ता है।

जलवायु :— आर्द्र एवं उष्ण जलवायु शारीरिक परिपक्वता शीघ्र लाती है, इसलिए सन्तानोत्पत्ति बहुत कम अवस्था में ही प्रारम्भ हो जाती है यही कारण है कि इस प्रदेश में जनसंख्या का जमाव बहुत अधिक है बंगला देश, श्रीलंका, ताइवान, द० कोरिया, जापान में जन संख्या घनत्व अधिक है भारत, चीन में भी जनसंख्या तो अधिक है, लेकिन घनत्व कहीं अधिक तो कहीं विरल है नेपाल, भूटान, बर्मा, थाइलैण्ड, लाओस आदि में जनसंख्या का घनत्व कम है। जलवायु भौतिक वातावरण का प्रधान तत्व है। इसका प्रभाव सभी जगह मानव के भोजन, वस्त्र, आवास आदि पर स्पष्ट दिखता है। वर्षा, पवन और तापक्रम ऐसे तत्व हैं जिन पर मानव का कोई नियंत्रण नहीं होता है।

उच्चावचन :— उच्चावचन का प्रभाव भी जनसंख्या पर बहुत गहरा पड़ता है, मानव वितरण, बस्तियों का वितरण, परिवहन तथा आर्थिक क्रियाओं पर प्रभाव डालने के अतिरिक्त मानव जीवन में अनेक दूसरे अंशों पर भी उच्चावचन का प्रभाव देखने को मिलता है। उच्चावचन के अंतर्गत प्रभाव पर मनुष्य ने उत्तरोत्तर विजय प्राप्त की है। जिन देशों में पर्वतों की भूमि अधिक है वहाँ प्रति वर्ग K.m जनसंख्या घनत्व कम है। ऐसे देश — नेपाल, भूटान, बर्मा थाइलैण्ड, लाओस मलेशिया, इण्डोनेशिया, वियतनाम आदि।

जलराशि :— जल राशि के अन्तर्गत हम महासागर सागर, सरोवर, नदियाँ, झीलें तथा कोष्ठ सम्मिलित करते हैं। वास्तव में ये सभी जलाशय मानव बसाव में सहायता प्रदान करते हैं क्योंकि कुछ ही समय में मानव ने इनको अपनी सेवा में प्रस्तुत कर लिया है। महानद महासागर भी उसके जलयानों के लिए उत्तम मार्ग बन गये हैं। इसके अतिरिक्त मानव ने उन्हें मछली उत्पादन के लिए उपयुक्त क्षेत्र भी बना लिया है। समुद्र के जल को सुखाकर भोजन और उद्योग में प्रयोग के लिए नमक तैयार किया जाता है। जनसंख्या की सघनता नदियों के बेसिन तथा तटवर्ती भागों में अत्यधिक है। इस क्षेत्र का मुख्य खाद्यान्न चावल है। गंगा और ब्रह्मपुत्र का अधिकांश डेल्टाई भाग बंगला देश में स्थित है जहाँ जनसंख्या बहुत घनी है।

खनिज पदार्थ :— खनिज पदार्थ आजकल सभी उद्योग व धन्धे के लिए आवश्यक अंग बन गया है वास्तव में आधुनिक सभ्यता व औद्योगिक संस्कृति खनिज पदार्थों पर पूर्ण रूप से आधारित है। जिस स्थान पर गर्भ में लोहा, कोयला, मैंगनीज आदि खनिज पदार्थ सुरक्षित होते हैं वहीं पर विशाल उद्योग केन्द्रित मिलते हैं तथा अधिकांश जनसंख्या को आश्रय मिलता है। मानसून एशिया के प्रमुख जनसमूहों पर खनिज पदार्थों का प्रभाव विशेष देखने को मिलता है। भारत, चीन, जापान, पाकिस्तान, बंगला देश आदि के औद्योगिक केन्द्र अधिक घने बसे हुए हैं।

परिवहन के साधन :— मानसून एशिया क्षेत्र में जनसंख्या का विस्तार परिवहन के साधनों के विस्तार के साथ हुआ है। प्राय: देखा जाता है कि वहाँ उद्योग धन्धे अधिक विकसित रूप में मिलते हैं जहाँ परिवहन के साधनों का जाल बिछा है। जहाँ पर इस प्रकार की सुविधा उपलब्ध होती है वहाँ जनसंख्या पर भी प्रभाव पड़ता है भारत, जापान, चीन, बंगला देश, द० कोरिया आदि में इस प्रकार के साधन प्रर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं।

सांस्कृतिक तत्व :→ मानव की विभिन्न प्रतिक्रियाएँ जैसे भौतिक आवश्यकताएँ, व्यवसाय, कार्य-कुशलता उच्च आवश्यकताएं आदि संस्कृति तत्व कहलाते हैं। प्राय: इन समस्त तत्वों से मानव जीवन प्रभावित होता है। इन प्रतिक्रियाओं के समुचित विकास से जनसंख्या में वृद्धि होती है। यह बात मानसून एशिया समूह पर भी लागू होती है। सांस्कृतिक तत्वों के आधार पर ही मानव सभ्यता उन्नत हुई है। शिक्षा, कला, संस्कृति, स्वास्थ्य केन्द्र, धार्मिक महत्व, ऐतिहासिक तत्व, विज्ञान एवं साहित्य सम्बन्धी केन्द्र घनी बस्तियों के स्थान के उदाहरण हैं, जो मानसून एशिया के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध हैं।

Scanned with CamScanner

राजनैतिक एवं धार्मिक कारण :- राजनैतिक एवं धार्मिक कारण जनसंख्या को विशेषकर प्रभावित करती है। सरकार का सुप्रबन्ध तथा ~~कौशल~~ कौशल, सरकारी नीति नीति बदलती है। ये आर्थिक कार्य को सुदृढ़ करते हैं और प्रत्यक्ष रूप से जनसंख्या को प्रोत्साहित करते हैं। जहाँ पर कचहरी, थाना, जेल, उपवन आदि का समुचित प्रबंध होता है वहाँ पर जनसंख्या सुरक्षा के कारण स्थापित हो जाती है। आर्थिक सुरक्षा के अनुसार ही विभिन्न मानसून एशिया के देशों की सरकारें जनसंख्या की नीति ~~निर्धारण~~ ~~निर्धारित~~ निर्धारित करती है। राजनैतिक केन्द्र, राजधानी आदि भी जनसंख्या के केन्द्र हैं। मानसून एशिया जनसंख्या के प्रमुख ~~समूह~~ समूह प्रत्येक प्रदेश की राजधानी के समीप ही स्थित मिलते हैं।

धार्मिक कारण भी प्रत्येक जनसमूह के पीछे अपरोक्ष रूप से देखने को मिलते हैं। अतः धार्मिक कारण भी जनसंख्या को प्रभावित करने का एक साधन है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि जलवायु, मिट्टी, धरातल की बनावट, खनिज सम्पत्ति, कृषि, उद्योग, शक्तिके साधन, परिवहन एवं आवागमन के साधन, जल राशि, धार्मिक, राजनैतिक तथा सामाजिक धारणाएँ आदि सभी तत्व मानसून एशिया जनसंख्या को प्रभावित करती हैं।

मानसून एशिया प्रदेश के कुछ प्रमुख देशों की जनसंख्या (2003) के अनुसार (लाख में)

- चीन – 12,944
- भारत – 10,411
- इण्डोनेशिया – 2,348
- बंगलादेश – 1,434
- पाकिस्तान – 1,506
- मलेशिया – 230
- फिलीपाइन्स – 846
- थाईलैण्ड – 643
- जापान – 1,272
- द० कोरिया – 482
- उ० कोरिया – 226

Map
ममोरिया Page – 20

मानसून एशिया प्रदेश में जनसंख्या का विकास

- 1950 — 13,800
- 1960 — 16,830
- 1970 — 21,910
- 1980 — 27,800
- 1988 — 30,000
- 2002 — 37,686

Scanned with CamScanner